भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
30.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1817 का उत्तर

आनंद विहार से दरभंगा तक अमृत भारत एक्सप्रेस

1817. श्री लक्ष्मीकान्त पप्पू निषाद:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को किसी संसद सदस्य से आनंद विहार से अयोध्या, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, नरकटियागंज, सीतामढ़ी होते हुए दरभंगा तक ट्रेन संख्या 15557/15558 अमृत भारत एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने और दरभंगा से प्रस्थान समय दोपहर 3 बजे के बजाय सुबह 8 बजे करने तथा एसी तृतीय और एसी द्वितीय श्रेणी के डिब्बे जोड़ने के लिए पत्र प्राप्त हुआ है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विभाग को आनंद विहार से अयोध्या, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, नरकटियागंज और सीतामढ़ी होते हुए दरभंगा तक दुरंतो एक्सप्रेस को साप्ताहिक चलाने के लिए सरकार से कोई निर्देश प्राप्त हुए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): वर्तमान में, दरभंगा - नई दिल्ली खंड पर 04 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें 15557/15558 आनंद विहार (टी) - दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस भी शामिल है, जिसे 01.01.2024 से शुरू किया गया है। ये अमृत भारत रेलगाड़ियां पूरी तरह से अवातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ियां हैं और इनमें झटके रहित यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, हॉरिजॉन्टल स्लाइडिंग विंडो, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बोतल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाएँ हैं।

रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालयों आदि सहित विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, परामर्शदात्री समितियों, आदि से औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के अभ्यावेदन/अनुरोध प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे अभ्यावेदनों/अनुरोधों का प्राप्त होना सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए, ऐसे अभ्यावेदनों/अनुरोधों

का केन्द्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता। बहरहाल, अभ्यावेदनों/अनुरोधों आदि का निपटान निर्धारित प्रक्रिया/दिशानिर्देशों के आधार पर किया जाता है और समय-समय पर व्यावहारिक और औचित्यपूर्ण कार्रवाई की जाती है। इसके अलावा, भारतीय रेल पर सवारी डिब्बों की संख्या बढ़ाना, फेरों में वृद्धि और समय-सारणी में बदलाव करना सतत् प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

******